हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

अभ्यास-पत्रिका

कक्षा-दसवीं

निर्धारित पाठ्यक्रम

- शब्द एवं पद
- लिपि, भाषा, बोली
- वाक्य-(रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- स्वर संधि
- समास
- पदबंध
- संयुक्त व्यंजन एवं वर्ण-विच्छेद
- 'र' के विविध रूप (रेफ़ और पदेन)
- आगत और निपात
- विराम चिह्न
- उपसर्ग, प्रत्यय
- लिंग-वचन
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- वाक्यांशों के लिए एक शब्द
- पर्यायवाची, विलोम
- समरूपी भिन्नार्थक शब्द एवं अनेकार्थी शब्द
- वर्तमान में चल रहे अभियानों के नाम
- सौरमंडल के ग्रहों के हिंदी नाम
- अपठित गद्यांश या काव्यांश

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

पाठ्य-सामग्री

1. शब्द

वर्णों का सार्थक समूह **शब्द** कहलाता है। शब्द के निम्न भेद हैं-

- संज्ञा
- सर्वनाम
- विशेषण
- क्रिया
- क्रियाविशेषण
- संबंधबोधक
- समुच्चयबोधक
- विस्मयादिबोधक

2. पद

शब्द वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द 'पद' बन जाता है।

जैसे :- 'आम' एक शब्द है। पर, वाक्य में- 'गौरव आम खाता है' इस प्रकार वाक्य में प्रयुक्त होने पर 'आम' पद कहलाएगा।

3. भाषा

'भाषा वह साधन है, जिसके माध्यम से हम सोचते हैं तथा अपने विचारों को व्यक्त करते हैं।'

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अपने विचार, भावनाओं एवं अनुभुतियों को वह भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है।

मनुष्य अपने भावों तथा विचारों को दो प्रकार से प्रकट करता है-

1. बोलकर (मौखिक) 2. लिखकर (लिखित)

1. **मौखिक भाषा:-** मौखिक भाषा में मनुष्य अपने विचारों या मनोभावों को बोलकर प्रकट करते हैं। इस माध्यम का प्रयोग फ़िल्म, नाटक, संवाद एवं भाषण आदि में अधिक होता है।
2. **लिखित भाषा:-** भाषा के लिखित रूप में लिखकर या पढ़कर विचारों एवं मनोभावों का आदान-प्रदान किया जाता है। लिखित रूप भाषा का स्थायी माध्यम होता है। पुस्तकें इसी माध्यम में लिखी जाती हैं।

हिंदी तथा अन्य भाषाएँ– संसार में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे - अंग्रेजी, रूस, जापानी, चीनी, अरबी, हिंदी, उर्दू आदि। हमारे भारत में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे - बंगला, गुजराती, मराठी, उड़िया, तमिल, तेलुगू आदि। हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जाती है। हिंदी भाषा को संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया है।

4. लिपि

ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वही 'लिपि' कहलाती है। प्रत्येक भाषा की अपनी-अलग लिपि होती है। हिंदी की लिपि 'देवनागरी' है। हिंदी के अलावा संस्कृत, मराठी, कॉकणी, नेपाली आदि भाषाएँ भी देवनागरी में लिखी जाती है।

5. बोली और भाषा

छोटे भूभाग में बोली जाने वाली 'बोली' कहलाती है। बोली को भाषा का प्रारंभिक रूप माना जाता है। बोली भाषा का स्थानीय रूप होती है। जब कोई बोली परिनिष्ठित होकर साहित्य की भाषा के पद पर आसीन हो जाती है । तो वह भाषा बन जाती है।

6. वर्ण

छोटी-से-छोटी भाषा की ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं हो सकते, **वर्ण** कहलाते हैं। इन वर्णों का व्यवस्थित रूप ही **'वर्णमाला'** कहलाता है।

हिंदी वर्णमाला में वर्णों को दो रूपों में बाँटा गया है-

स्वर तथा व्यंजन।

7. स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण अन्य ध्वनियों की सहायता के बिना हो, उन्हें स्वर कहते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अयोगवाह– अं अः

8. व्यंजन

व्यंजन वे वर्ण हैं, जो स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। नीचे स्वरयुक्त व्यंजन दिए गए हैं–

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व	श		
	ष	स	ह			

(क) आगत स्वर – **ऑ**

(ख) नुकता वाले आगत व्यंजन – **ज़, फ़**

(ग) संयुक्त व्यंजन–दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। जैसे:– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष – कक्ष, दक्ष

त् + र = त्र – नेत्र, छात्र

ज् + ञ = ज्ञ – यज्ञ, सर्वज्ञ

श् + र = श्र – परिश्रम, आश्रम

9. 'र' के विविध रूप

- रेफ़ (जैसे: पर्व)
- पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसे: क्रम)
- बिना पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसे: राष्ट्र)

10. र और ऋ की मात्राओं में अंतर

- क् + ऋ = कृ, कृपा, कृष्ण
- क् + र = क्र, क्रय, विक्रय

11. वाक्य एवं उसके भेद

शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं; जैसे– नव्या दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

वाक्य के भेद दो आधार पर किए जाते हैं–

1. रचना के आधार पर
2. अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं–

1. सरल वाक्य (Simple Sentence)
2. संयुक्त वाक्य (Compound Sentence)
3. मिश्र वाक्य (Complex Sentence)

1. **सरल वाक्य**–जिन वाक्यों में एक मुख्य क्रिया होती है, उन्हें सरल वाक्य कहते हैं; जैसे–
   – शेर जंगल में रहता है। (मुख्य क्रिया-रहना)
   – निष्ठा घर आकर हँसने लगी। (मुख्य क्रिया-हँसना)
2. **संयुक्त वाक्य**–संयुक्त का अर्थ है–जुड़ा हुआ। जिन वाक्यों में दो स्वतंत्र उपवाक्य समुच्चयबोधक अव्ययों (और, तथा, किंतु, परंतु, इसलिए, या, लेकिन आदि) से जुड़े होते हैं, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं; जैसे–
   – रोहित खेल रहा है किंतु उसका भाई बैठा है।
   – निष्ठा घर आई और हँसने लगी।
3. **मिश्र वाक्य**–मिश्र का अर्थ है–मिला हुआ। जिन वाक्यों में एक प्रधान उपवाक्य एवं अन्य आश्रित उपवाक्य समुच्चयबोधक अव्ययों (कि, क्योंकि, जैसे-वैसे, ज्यों-त्यों, यदि-तो, जब-तब आदि) से जुड़े होते हैं, उन्हें मिश्र वाक्य कहते हैं; जैसे–
   – माली ने कहा कि सभी फूल सुंदर हैं।
   – जैसे ही निष्ठा घर आई वैसे ही हँसने लगी।

अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं–

1. **विधानवाचक वाक्य** (Assertive Sentence)–विधान का अर्थ है–साधारण कथन। इन वाक्यों में किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान की सामान्य

जानकारी दी जाती है; जैसे–

– बच्चे खेल रहे हैं।

– हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए।

2. **निषेधवाचक वाक्य** (Negative Sentence)–इन वाक्यों में किसी काम के नहीं करने का पता चलता है; जैसे–

– कूड़ा इधर-उधर मत फेंको।

– मयंक आज विद्यालय नहीं आएगा।

3. **प्रश्नवाचक वाक्य** (Interrogative Sentence)–इन वाक्यों के माध्यम से प्रश्न पूछने की सूचना मिलती है तथा अंत में प्रश्नवाचक चिह्न लगा होता है; जैसे–

– क्या तुम बाज़ार जा रहे हो?

– ओलंपिक में स्वर्ण पदक किसने जीता?

4. **आज्ञावाचक वाक्य** (Imperative Sentence)–इन वाक्यों में किसी को आज्ञा या आदेश दिया जाता है; जैसे–

– तुम अपनी कक्षा में शांत बैठो।

– मुझे एक गिलास दूध दे दो।

5. **संदेहवाचक वाक्य** (Doubt Sentence)–इन वाक्यों में किसी कार्य के होने के बारे में संदेह या संभावना प्रकट होती है; जैसे–

– संभवत: रेलगाड़ी देर से आएगी।

– शायद, तुम कुछ भूल गए हो।

6. **इच्छावाचक वाक्य** (Will or hope Sentence)–इन वाक्यों में बोलने वाले की शुभकामना, इच्छा, आशीर्वाद आदि का बोध होता है; जैसे–

– भगवान करे, तुम सदा खुश रहो।

– आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

7. **संकेतवाचक वाक्य** (Conditional Sentence)–इन वाक्यों में एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर रहती है; जैसे–

– यदि तुम मेहनत करोगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी।

– जब तुम आओगे, तब मैं जाऊँगा।

8. **विस्मयवाचक वाक्य** (Exclamatory Sentence)–इन वाक्यों में घृणा, हर्ष, शोक, आश्चर्य आदि का भाव प्रकट होता है; जैसे–

– अरे! तुम यहाँ कब आए?

– वाह! नीरज चोपड़ा ने तो कमाल कर दिया।

12. विराम चिह्न

विराम का अर्थ है–रुकना या ठहरना। हम अपनी बात को ठीक तरह से कहने के लिए बीच-बीच में रुकते हैं। इसी तरह लिखते समय भी हम अपने भावों और विचारों को स्पष्ट करने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं। उन्हीं चिह्नों को **विराम-चिह्न** कहते हैं।

आइए, अब इन वाक्यों को पढ़ते और समझते हैं–

– रुको मत जाओ। (कोई अर्थ स्पष्ट नहीं)

– रुको मत, जाओ। (जाने का संकेत)

– रुको, मत जाओ। (रुकने का संकेत)

ऊपर दिए वाक्यों में एक ही चिह्न अलग-अलग जगह लगने के कारण वाक्यों का अर्थ बदल गया है। अत: हमें विराम-चिह्नों का प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।

अत: वाक्यों में रुकने के लिए लगाए जाने वाले चिह्नों को **विराम-चिह्न** कहते हैं।

हिंदी भाषा में मुख्य रूप से निम्नलिखित विराम-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है–

1. **पूर्णविराम (।)**–पूर्ण का अर्थ है–पूरा और विराम का अर्थ है–रुकना। किसी वाक्य के पूरा हो जाने पर लगाए जाने वाले चिह्न को **पूर्ण विराम** कहते हैं; जैसे–

   – वह एक ईमानदार व्यक्ति है।

   – मैंने खाना खा लिया है।

2. **अल्पविराम (,)**–जब पढ़ते या लिखते समय कम समय के लिए रुकना पड़ता है, तो वहाँ **अल्पविराम** का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

   – चिड़ियाघर में शेर, चीता, हाथी और भालू थे।

   – नवल, कृतिका और देवांश विद्यालय गए।

3. **प्रश्नवाचक चिह्न (?)**–जब किसी वाक्य में प्रश्न पूछा जाता है, तो **प्रश्नवाचक चिह्न** का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

   – तुम कहाँ जा रहे हो?

   – तुम्हारा जन्मदिन कब आता है?

4. **उद्धरण चिह्न (‘ ’ तथा “ ”)**–इकहरा उद्धरण (‘ ’) चिह्न का प्रयोग किसी उपनाम या स्थान को विशेष रूप से दिखाने के लिए किया जाता है।

   दोहरे उद्धरण (“ ”) चिह्न का प्रयोग किसी व्यक्ति की कही हुई बात या विचार को ज्यों-का-त्यों दिखाने के लिए किया जाता है; जैसे–

   – महात्मा गाँधी को ‘बापू’ भी कहते हैं।

   – सुभाषचंद्र बोस ने कहा, “दिल्ली चलो।”

5. **विस्मयादिबोधक चिह्न (!)**–खुशी, घृणा, शोक, दुख, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करने के लिए **विस्मयादिबोधक चिह्न** का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

   – वाह! यह तो बहुत सुंदर चित्र है।

   – अरे! तुम कहाँ जा रहे हो?

6. **योजक चिह्न (-)**–विपरीत या एक समान शब्द आने पर उनके बीच में **योजक चिह्न** का प्रयोग किया जाता है; जैसे–सुख-दुख, दिन-रात, खाना-पीना, आना-जाना, हँसते-हँसते, धीरे-धीरे आदि।

7. **लाघव चिह्न (०)**–इस चिह्न का प्रयोग शब्दों को संक्षिप्त रूप से लिखने के लिए किया जाता है; जैसे–डॉक्टर-डॉ०, प्रोफेसर-प्रो०, प्रश्न-प्र०, उत्तर–उ० आदि।

8. **अर्द्धविराम (;)**–एक बड़े वाक्य में एक से अधिक छोटे उपवाक्यों को जोड़ने के लिए **अर्द्धविराम** का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

   – सूर्योदय हुआ; पक्षी चहचहाने लगे।

   – परिश्रम कीजिए; सफलता अवश्य मिलेगी।

13. स्वर संधि

दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को **‘स्वर संधि’** कहते हैं।

जैसे:- हिम+आलय - हिमालय, भानु+उदय - भानूदय

स्वर संधि के कुछ अन्य उदाहरण–

सत्य + अर्थ = सत्यार्थ (अ + अ = आ)

भोजन + आलय – भोजनालय (अ + आ = आ)

सु + उक्ति = सूक्ति (उ + उ = ऊ)

लघु + उत्तर = लघूत्तर (उ + उ = ऊ)

नर + ईश = नरेश (अ + ई = ए)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (अ + उ = ओ)

लंबा + उदर = लंबोदर (आ + उ = ओ)

एक + एक = एकैक (अ + ए = ऐ)

सदा + एव = सदैव (आ + ए = ऐ)

तथा + एव = तथैव (आ + ए = ऐ)

महा + औषध = महौषध (आ + औ = औ)

अति + अधिक = अत्यधिक (इ + अ = य)

सु + आगत = स्वागत (उ + आ = वा)

इति + आदि = इत्यादि (इ + आ = या)

अनु + एषण = अन्वेषण (उ + ए = वे)

ने + अन = नयन (ए + अ = अय)

पो + अन = पवन (ओ + अ = अव)

गै + अक = गायक (ऐ + अ = आय)

नौ + इक = नाविक (नौ + इ = आवि)

14. समास

शब्दों के मेल को समास कहते हैं। समास चार प्रकार के होते हैं-

1. **अव्ययीभाव समास–** अव्ययीभाव समास का पहला पद अव्यय होता है और प्रधान होता है। इससे बना समस्तपद भी अव्यय होता है। जैसे-

   यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार

   आमरण – मरण तक

   प्रतिदिन – हर दिन

   प्रत्येक – हर एक

   हाथोंहाथ – हाथ-ही-हाथ में

2. **तत्पुरुष–** इसमें दूसरा पद प्रधान होता है। समास होने पर बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है। जैसे-

   ग्रामगत – ग्राम को गया हुआ

   अकालपीड़ित – अकाल से पीड़ित

   प्रयोगशाला – प्रयोग के लिए शाला

   गुणहीन – गुणों से हीन

   आपबीती – आप पर बीती

3. **द्वंद्व समास–** द्वंद्व समास में पहला और दूसरा-दोनों पद प्रधान होते हैं। जैसे-

   दाल-रोटी – दाल और रोटी

   सुख-दुख – सुख और दुख

   भला-बुरा – भला और बुरा

   यश-अपयश – यश और अपयश

4. **बहुव्रीहि समास–** बहुव्रीहि समास में न पहला पद प्रधान होता है, न दूसरा। दोंनो पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं। जैसे-

त्रिलोचन – तीन आँखों वाला अर्थात् (शिव)

एकदंत – एक दाँत वाला अर्थात् (गणेश)

चतुर्भुज – चार भुजाओं वाला अर्थात् (विष्णु)

गोपाल – गाय पालने वाला अर्थात् (कृष्ण)

लंबोदर – लंबा उदर है जिसका अर्थात् (गणेश)

5. **द्विगु समास–** जिस संख्या में पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है तथा समस्त समूह का अर्थ देता है, उसे द्विगु समास कहते हैं। जैसे-

त्रिलोक – तीन लोकों का समाहार

दोपहर – दो पहरों का समाहार

सप्ताह – सात दिनों का समाहार

6. **कर्मधारय समास–** कर्मधारय में पहला पद विशेषण या उपमान होता है और दूसरा पद प्रधान होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे-

नीलगगन – नीला है जो गगन

नीलकंठ – नीला है जो कंठ

नीलांबर – नीला है जो अंबर

पीतांबर – पीला है जो अंबर

नीलगाय – नीली है जो गाय

15. पदबंध

जब किसी वाक्य में दो या दो से अधिक पद मिलकर एक पद का कार्य करते हैं तब उसे पदबंध कहते हैं।

जैसे:-

– नीरज चोपड़ा प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं।

– ओलम्पिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

पद	पदबंध
अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही हैं।	हिंदी की अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही हैं।
आप कौन हैं?	बड़ी-बड़ी बातें करने वाले आप कौन हैं?

पदबंध के भेद एवं उदाहरण–

संज्ञा पदबंध

1. आसमान में उड़ते पक्षी सुंदर लग रहे हैं।
2. छोटी-से-छोटी चींटी भी मेहनत करके अपना पेट भरती है।

सर्वनाम पदबंध

1. हमेशा हँसते रहने वाले तुम आज चुप क्यों हो?
2. प्रतिदिन खेलने वाला वह आज खेलने नहीं आया।

विशेषण पदबंध

1. बड़े-बड़े और हरे-हरे पेड़ देखकर मन प्रसन्न हो गया।
2. दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की परीक्षा देने गई है।

क्रिया पदबंध

1. भव्या गुनगुनाते हुए चली जा रही थी।
2. पर्वत की चोटी पर सूरज उगते हुए दिखाई दे रहा था।

क्रिया विशेषण पदबंध

1. मैं विद्यालय सात बजकर तीस मिनट पर पहुँचा।
2. पार्थ बहुत धीरे-धीरे बोलता है।

16. उपसर्ग

जो शब्दांश शब्द से पहले लगकर नए-नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें **'उपसर्ग'** कहते हैं।

उपसर्गों का अलग से कोई अर्थ नहीं होता। ये शब्द के साथ लगकर कोई-न-कोई अर्थ प्रकट अवश्य करते हैं। जैसे:-

	उपसर्ग	अर्थ	शब्द
1.	अ	(नहीं, अभाव)	अगम, अचल, अज्ञान।
2.	अति	(बहुत, अधिक या आगे)	अतिशय,अत्यधिक,अत्यंत।
3.	अधि	(ऊपर, श्रेष्ठ)	अधिकार, अधिपति,अध्यक्ष।
4.	अनु	(पीछे, समान, पश्चात, गौण)	अनुराग, अनुकरण,अनुरूप।
5.	अप	(हीन, अभाव, अनुचित)	अपकीर्ति, अपमान, उपकार।
6.	निर्, निस्	(बिना, रहित, विपरीत)	निस्संदेह, निर्मल, निर्वाह।
7.	परा	(अनादर, विपरीत, रहित)	पराजय, पराक्रम, पराभव।
8.	परि	(चारों ओर, अतिशय)	परिचय, परीक्षा, परिक्रमा।
9.	प्र	(अधिक, आगे, अतिशय)	प्रसिद्ध, प्रस्थान, प्रमाण।
10.	वि	(अभाव, भिन्नता, विशेष)	विजय, विशुद्ध, विनाश।
11.	सु	(अच्छा, शुभ, सहज)	सुकर्म, सुलभ, सुपुत्र।

17. प्रत्यय

जो शब्दांश शब्द के पीछे लगकर उसके अर्थ में बदलाव लाते हैं, वे **प्रत्यय** कहलाते हैं।

	शब्दांश अथवा प्रत्यय	शब्द	नया रूप
1.	आ	भूख, प्यास	भूखा, प्यासा
2.	आई	भला, बुरा	भलाई, बुराई
3.	आऊ	चल, टिक	चलाऊ, टिकाऊ
4.	आन	लग, ठक	लगान, थकान
5.	आप	मिल	मिलाप
6.	आलु	दया	दयालु
7.	आव	बह, फैल	बहाव, फैलाव
8.	आहट	चिकना, कड़वा	चिकनाहट, कड़वाहट

18. मुहावरे

क्रम	मुहावरा	अर्थ
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित होना
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग-रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम कराना
11.	अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना
12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ-दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	टाँग अड़ाना	बाधा डालना
15.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

19. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्द (वाक्यांश)		एक शब्द
जिसका आचरण अच्छा हो	–	सदाचारी
जो ईश्वर को न मानता हो	–	नास्तिक
जो पढ़ा लिखा न हो	–	निरक्षर
जिसका अंत न हो	–	अनंत
जो कभी बूढ़ा न हो	–	अजर

जो दिखाई न दे	–	अदृश्य
जो नियम के अनुसार न हो	–	अनियमित
वर्ष में एक बार होने वाला	–	वार्षिक

20. पर्यायवाची

किसी का शब्द समान अर्थ देने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे:-

शब्द	पर्यायवाची
चंद्रमा	शशि, राकेश, मयंक
धरती	भूमि, भू, धरा
अग्नि	अनल, पावक, आग
पानी	नीर, वारि, जल
आकाश	गगन, अंबर, नभ
घर	गृह, सदन, भवन
पुत्र	बेटा, लड़का, सुत
पाठशाला	स्कूल, विद्यालय, मदरसा
मित्र	दोस्त, सखा, सहचर
स्त्री	नारी, औरत, महिला
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
दिन	दिवा, दिवस, वार
माँ	अम्मा, माता, जननी
समुद्र	सिंधु, सागर, जलधि
भौंरा	भ्रमर, भृंग, मधुकर
जंगल	वन, कानन, अरण्य
वृक्ष	तरु, पादप, विटप
नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी

21. विलोम

जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम या विपरीत शब्द कहते हैं। जैसे:-

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
रात	दिन	कायर	वीर
धरती	आकाश	अपना	पराया
सच	झूठ	दूर	पास
अमीर	गरीब	शाकाहारी	मांसाहारी
दुख	सुख	शांत	अशांत
आदि	अंत	अंदर	बाहर
चतुर	मूर्ख	सरल	कठिन
ठंडा	गरम	देव	दानव
ईमानदार	बेईमान	दुर्बल	सबल
ऊपर	नीचे	प्राचीन	नवीन

22. समरूपी भिन्नार्थक शब्द

1. अनल (आग) - अनिल (हवा, वायु)
2. ओर (तरफ) - और (तथा)
3. कुल (वंश) - कूल (किनारा)
4. पानी (जल) - पाणि (हाथ)
5. शर (बाण) - सर (तालाब)
6. कंगाल (गरीब) - कंकाल (ठठरी)
7. अवधि (समय) - अवधी (अवध की भाषा)
8. नीरद (बादल) - नीरज (कमल)
9. प्रमाण (सबूत) - प्रणाम (नमस्कार)
10. कोश (शब्द-भंडार) - कोष (खजाना)

23. अनेकार्थक शब्द

जहाँ एक शब्द के दो या दो से अधिक अर्थ निकलते हों, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं। जैसे:-

1. अंक- गोद, नंबर, गिनती, चिह्न, संकेत, नाटक के अंक
2. अनंत- आकाश, अविनाशी, विष्णु, शेषनाग
3. अज- बकरा, ब्रह्मा, आत्मा, चंद्रमा
4. अर्थ- धन, एश्वर्य, प्रयोजन, हेतु, निमित्त, व्याख्या
5. अंबर- आकाश, कपड़ा, कपास, केसर
6. अरुण- लाल, सूर्य, सिंदूर, सोना
7. अवकाश - बीच का समय, अवसर, छुट्टी
8. आतुर- विकल, रोगी, उत्सुक
9. आराम- विश्राम, किसी रोग का दूर होना, सुख-चैन
10. उत्सर्ग- त्याग, दान, समाप्ति।

24. महासागरों के हिंदी में नाम

1. प्रशांत महासागर 2. अटलांटिक महासागर 3. हिंद महासागर
4. दक्षिणी महासागर 5. आर्कटिक महासागर

25. लिंग

संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष जाति या स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं। इसके दो भेद हैं- पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग

जैसे :-	आचार्य	-	आचार्या	पुत्र	- पुत्री
	बकरा	-	बकरी	ग्वाला	- ग्वालिन
	चिड़ा	-	चिड़िया	ठाकुर	- ठकुराइन

26. वचन

संज्ञा और दूसरे विकारी शब्दों के जिस रूप से एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। वचन के दो भेद हैं- एकवचन तथा बहुवचन

जैसे :-	लड़का	-	लड़के	दरवाज़ा	-	दरवाज़े
	छात्र	-	छात्राएँ	कविता	-	कविताएँ
	कवि	-	कविगण	प्रजा	-	प्रजाजन

27. निपात

जिसका प्रयोग शब्द के रूप में किसी बात पर बल देने के लिए किया जाता हो, वह **निपात** कहलाता है। जैसे:-ही, तो, भी

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

कक्षा-दसवीं

अधिकतम अंक-200 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नाम: .....

पिता/संरक्षक का नाम: .....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षर: .....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पचास प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।
4. सही उत्तर के सामने का गोला भरने पर चार अंक मिलेंगे तथा एक से अधिक गोला भरने या गलत उत्तर देने पर एक अंक काटा जाएगा।
5. सही उत्तर का गोला अधूरा या गलत ढंग से भरने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।
6. उत्तर का गोला भरने के लिए पेंसिल/ नीले या काले पैन का प्रयोग करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

1. जब किसी शब्द का प्रयोग वाक्य में किया जाता है, तो उसे क्या कहा जाता है?
   क) वर्ण ख) पद ग) समास घ) संधि
2. 'वह उठा हँसने लगा।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–
   क) सरल वाक्य ख) संयुक्त वाक्य ग) मिश्र वाक्य घ) अन्य
3. कोई भी 'बोली' कब 'भाषा' बन जाती है?
   क) साहित्य सृजित होने पर ख) कविता बोलने पर
   ग) दोनों स्थितियों में घ) इनमें से कोई नहीं
4. 'उसने कहा कि बैठ जाओ।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है-
   क) सरल ख) संयुक्त ग) मिश्रित घ) इनमें से कोई नहीं
5. 'यदि वर्षा होगी, तो मैं घर पर ही पढ़ूँगा।' अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है-
   क) संयुक्त ख) मिश्रित ग) संदेहवाचक घ) संकेतवाचक

6. 'संधि' का सही उदाहरण है-

क) सु +आगत=स्वागत ख) एक+एक=एकैक

ग) दोनों सही हैं घ) दोनों गलत हैं।

7. 'नीले हैं जो नयन-नीलनयन' में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष ख) कर्मधारय ग) द्विगु घ) अव्ययीभाव

8. नीचे दिए गए वाक्य के अंत में कौन-सा विराम चिह्न है?

आप कैसे हैं?

क) प्रश्नवाचक ख) पूर्ण विराम ग) अल्पविराम घ) योजक

9. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित अंश में कौन-सा पदबंध है?

<u>तीव्र गति से चलने वाली वंदे भारत रेलगाड़ी</u> से मैं वाराणसी गया।

क) संज्ञा पदबंध ख) सर्वनाम पदबंध

ग) विशेषण पदबंध घ) क्रिया पदबंध

10. 'महिला' शब्द का बहुवचन होगा-

क) महिलायें ख) महिलाऐं

ग) महिलाए घ) महिलाएँ

11. 'दृष्टि' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद है-

क) द् + र् + अ + ष् + ट् + इ ख) द् + र् + इ + ष् + ट् + इ

ग) द् + र् + ऋ + ष् + इ घ) द् + ऋ + ष् + ट् + इ

12. 'आँखों पर बैठाना' मुहावरे का अर्थ है-

क) सिर पर चढ़ाना ख) बिगाड़ना

ग) बहुत आदर-सत्कार करना घ) मुसीबत मोल लेना

13. 'आटे-दाल का भाव मालूम होना' क्या है?

क) एक मुहावरा ख) एक लोकोक्ति

ग) दोनों घ) अन्य

14. 'क्या करें और क्या न करें' वाक्यांश के लिए 'एक शब्द' है-

क) किं करो, किं न करो ख) किंम कर्तव्य

ग) किंकर्तव्यविमूढ़ घ) किंकर्तव्यविगूढ़

15. 'योगी' शब्द का विलोम है-

क) प्रयोगी ख) प्रतियोगी ग) भोगी घ) जोगी

16. 'निर्भयता' में उपसर्ग है-

क) नि ख) निर् ग) निर (घ) ता

17. सही वचन छाँटिए-

क) प्राण-एकवचन
ख) आँसू-एकवचन
ग) हस्ताक्षर-एकवचन
घ) इनमें से कोई नहीं

18. शुद्ध शब्द छाँटिए-

क) चिह्न
ख) चिन्ह
ग) चिंह
घ) तीनों सही हैं।

19. 'आपकी मनोकामना पूर्ण हो।' अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है–

क) इच्छावाचक
ख) विधिवाचक
ग) निषेधवाचक
घ) विधानवाचक

20. 'बड़ी-बड़ी बातें करने वाले तुम आज चुप क्यों हो?' रेखांकित शब्दों में विराम-चिह्न है-

क) पूर्ण विराम चिह्न
ख) अल्प विराम चिह्न
ग) योजक चिह्न
घ) लाघव चिह्न

(निर्देश-21-25) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जब किसी घटना को समान आचरण रखते हुए निष्पक्षता के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो वह 'समाचार' कहलाता है। समाचार जिन पत्रों पर छपकर हम तक पहुँचते हैं, उन्हें 'समाचार-पत्र' कहते हैं। आज के इस संचार के युग में अन्य कई तरीकों से भी समाचार प्राप्त किए जाते हैं-रेडियो जैसे श्रव्य साधन, टी.वी. जैसे दृश्य-श्रव्य साधन भी संचार की देन है। नवीन, आकर्षक तथा तथ्यात्मकपूर्ण समाचार श्रेष्ठ माना जाता है। समाचार की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए। अन्यथा अर्थ का अनर्थ होने की संभावना रहती है।

21. 'समाचार' का अर्थ है-

क) समान उच्चारण
ख) समान आचरण
ग) समान संचरण
घ) चार घटनाएँ

22. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है-

क) समाचार
ख) संचार का युग एवं समाचार
ग) समाचार के गुण एवं साधन
घ) उपर्युक्त तीनों

23. श्रेष्ठ समाचार की क्या विशेषता होती है?

क) नवीनता
ख) भाषा की सरलता
ग) स्पष्टता
घ) उपर्युक्त सभी

24. समाचार की भाषा स्पष्ट न होने पर किस बात का खतरा हो जाता है?

क) सुंदरता के भंग होने का
ख) अर्थ का अनर्थ होने का
ग) दोनों का
घ) इनमें से कोई नहीं

25. गद्यांश के अनुसार आज के युग को क्या कहते हैं?
क) कलयुग ख) आधुनिक युग
ग) संचार का युग घ) उपर्युक्त तीनों

26. 'शब्द' क्या है?
क) वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न विकार
ख) वर्णों का सार्थक समूह
ग) वर्णों का निरर्थक समूह
घ) इनमें से कोई नहीं

27. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
क) तीन ख) चार ग) दो घ) पाँच

28. 'मुझसे बोला नहीं जाता।' 'मुझसे' शब्द क्या है?
क) संज्ञा ख) सर्वनाम ग) विशेषण घ) क्रिया

29. हिंदी की लिपि बताइए–
क) देवनागरी ख) खरोष्ठी ग) रोमन घ) फ़ारसी

30. 'यदि तुम गंदगी नहीं फ़ैलाओगे, तो हमारा देश अवश्य स्वच्छ हो जाएगा।' यह वाक्य रचना की दृष्टि से कौन-सा भेद है?
क) मिश्र ख) संयुक्त ग) सरल घ) अन्य

31. निम्न वाक्य का रचना के आधार पर भेद बताइए:-
'वह उठकर पढ़ने लगा।'
क) सरल ख) संयुक्त ग) मिश्र घ) इच्छावाचक

32. 'शिवालय' शब्द का संधिविच्छेद है–
क) शिवा + आलय ख) शिव + आलय
ग) शिव + आलया घ) शिव + अलय

33. 'पवन' शब्द का संधि विच्छेद क्या होगा?
क) प + वन ख) पव + अन ग) प + अन घ) पो + अन

34. सही विकल्प चुनिए–
क) ज्ञान + इंद्र = ज्ञानेंद्र ख) लोक + उक्ति = लोकोक्ति
ग) लघु + उत्तर = लघूत्तर घ) उपर्युक्त तीनों

35. 'सच्चरित्र' में संधि है–
क) स्वर ख) व्यंजन ग) विसर्ग घ) अन्य

36. 'महावीर' में प्रयुक्त समास है-
क) बहुव्रीहि ख) कर्मधारय ग) दोनों घ) अन्य

37. 'नीलकंठ' समास का विग्रह होगा–

क) नीला है जो
ख) नीला है कंठ जिसका
ग) नीला है जो कंठ
घ) ख तथा ग दोनों

38. किसी वाक्य में 'निपात' का प्रयोग कब होता है?

क) दो शब्दों को जोड़ने के लिए
ख) वाक्य स्पष्टता के लिए
ग) किसी शब्द पर बल देने के लिए
घ) भाषा में शिष्टता लाने के लिए।

39. 'दृष्टिदर्प' का वर्ण-विच्छेद है–

क) द् + र् + ऊ + ष् + ट् + इ + द् + अ + र् + प् + उ
ख) द् + ऋ् + इ + ष् + ट + अ + द् + प् + अ + र
ग) द् + र + अ + ष् + ट् + इ + द् + अ + र् + अ + प + अ
घ) द् + ऋ + ष् + ट् + इ + द् + अ + र् + प् + अ

40. 'रात्रि' का विलोम होगा–

क) रात
ख) दिवस
ग) प्रातः
घ) दिन

41. 'मुहावरा' क्या है–

क) लोकोक्ति का गद्य रूप
ख) लोकोक्ति
ग) वाक्य का एक अंश
घ) निरर्थक वाक्य

42. शब्दों के भेदों के अनुसार 'ही' क्या है?

क) क्रिया
ख) संबंधबोधक
ग) निपात
घ) विशेषण

43. 'राज' तथा 'राज़' का क्रमशः अर्थ है-

क) रहस्य, शासन
ख) शासन, प्रशासन
ग) प्रशासन, शासन
घ) शासन, रहस्य

44. सही 'वाक्य' है–

क) भैंस का ताकतवर दूध होता है।
ख) भैंस का दूध ताकतवर होता है।
ग) ताकतवर दूध भैंस का होता है।
घ) दूध भैंस का ताकवर होता है।

45. 'सीधा' शब्द का विलोम होगा–

क) उलटा
ख) उल्टा
ग) ऊल्टा
घ) ऊलटा

46. 'बरसात के चार महीने' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा–
क) चारमास ख) चतुर्मास ग) चातुर्मास घ) चातुर्यमास

47. 'असमानता' शब्द में क्रमशः उपसर्ग एवं प्रत्यय है–
क) अ, ता ख) अस, ता ग) अन्, ता घ) अन्, आ

48. 'कनक' शब्द का अर्थ है–
क) सोना ख) धतूरा ग) गेहूँ घ) उपर्युक्त तीनों

49. सही मुहावरा चुनिए–
क) अपने पाँव पर लाठी मारना ख) कान पर खटमल रेंगना
ग) फूँक मारकर कदम रखना घ) निन्यानवे के फेर में पड़ना

50. 'नौ-दो-ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ है–
क) हिसाब में गड़बड़ करना ख) नौ और दो ग्यारह होते हैं।
ग) भाग जाना घ) तीनों

उत्तर-संकेत

1. ख	11. घ	21. ख	31. क	41. ग
2. ख	12. ग	22. घ	32. ख	42. ग
3. क	13. क	23. घ	33. घ	43. घ
4. ग	14. ग	24. ख	34. घ	44. ख
5. ग	15. ग	25. ग	35. ख	45. ख
6. ग	16. ख	26. ख	36. ग	46. ग
7. ख	17. क	27. क	37. घ	47. क
8. क	18. क	28. ख	38. ग	48. घ
9. क	19. क	29. क	39. घ	49. घ
10. घ	20. ग	30. क	40. ख	50. ग

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।